किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊंचाईयों पर ले जाएं।

संपर्क करें
93188-92188,
70186-31199

www.himalayanupdate.com

हिमालयन अपडेट

« आपकी आवाज़ »

Postal Regd. No. : HP/128/SML/2017-19

अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें
himalayanupdate@gmail.cocm
दूरभाष नं.
93188-92188,
70186-31199

वर्ष 1 | अंक 8 | पृष्ठ 8 | साप्ताहिक | शिमला | सोमवार 5 - 11 जून 2017 | मूल्य 5/- | RNI No. HPHIN/01032

स्थानीय परम्पराएं एवं मूल्य समाज के आध्यात्मिक विकास के लिए महत्वपूर्ण

शिमला . हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने शिमला जिला के रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे के दौरान आज देवता पोंदरा तथा देवता महेश्वर के मन्दिरों में पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात, खंगतेड़ी में जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के आध्यात्मिक विकास में स्थानीय परम्पराओं एवं मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने लोगों से समाज के सामाजिक-आर्थिक तथा आध्यात्मिक उत्थान से जुड़ी गतिविधियों में शामिल

होने के लिए कहा। वीरभद्र सिंह ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षित समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है। राज्य में ग्रामीण युवाओं, विशेषकर कन्याओं को उनके घरद्वार के समीप उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने अपने वर्तमान कार्यकाल के दौरान प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में 47 नए कालेज खोलने के अतिरिक्त, लगभग 1350 स्कूल खोले अथवा स्तरोन्नत किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सड़क नेटवर्क को मजबूत करने को भी प्राथमिकता प्रदान की है। फलस्वरूप आज राज्य में 37000 किलोमीटर लम्बी सड़कों का एक सुदृढ़ नेटवर्क है जो राज्य के अस्तित्व में आने के समय महज 240 किलोमीटर था। उन्होंने माध्यमिक पाठशाला बरसाला तथा बछुंछ को

शेष पृष्ठ दो पर

प्राकृतिक सौंदर्य व अद्वितीय वन संपदा के कारण चौपाल में पर्यटन की संभावनाएं

शिमला . हिमालयन अपडेट

शहरी विकास, आवास एवं नगर नियोजन मंत्री सुधीर शर्मा ने 43वीं उत्तरी भारत लैफ्टिनेंट हरिसिंह मैमोरियल खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इससे पूर्व उन्होंने 9.65 लाख की लागत से बने नगर पंचायत भवन का लोकार्पण किया तथा 91 लाख की लागत से बनने वाले पार्क तथा डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाली पार्किंग की आधारशिला रखी। सुधीर शर्मा ने इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चैपाल क्षेत्र में प्राकृतिक सौंदर्य व अद्वितीय वन संपदा का भंडार है, जिसके कारण पर्यटन की दृष्टि से चैपाल में बहुत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के प्रयासों से सम्पूर्ण क्षेत्र का समान विकास हुआ है। प्रदेश सरकार इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प हैं।

प्रदेश सरकार के कार्यकाल के दौरान चैपाल में 100 से अधिक नए स्कूल खोले गए हैं। इस क्षेत्र में प्रत्येक गांव को सड़कों से जोड़ा गया है तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। उन्होंने नगर पंचायत चैपाल में पार्किंग के निर्माण के लिए डेढ़ करोड़ रुपये की राशि प्रदान करने की घोषणा

शेष पृष्ठ दो पर

पीएनबी लाडली स्कीम के तहत 50 छात्राओं को लिया गोद

शिमला . हिमालयन अपडेट

पंजाब नैशनल बैंक मंडल कार्यालय, धर्मशाला द्वारा पीएनबी लाडली स्कीम के तहत गाम पंचायत सेराथाना के वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पीएनबी प्रधान कार्यालय नई दिल्ली के कार्यपालक निदेशक ब्रहमाजी राव व उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी राव ने बतौर मुख्यातिथि शिरक्त की।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक जितेन्द्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बैंक द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंजाब नैशनल बैंक द्वारा पीएनबी लाड़ली स्कीम के तहत सेराथाना पंचायत के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न स्कूलों की 50 गरीब छात्राओं को गोद लिया और उन्हें एकमुश्त 2500 रूपये की सहायता राशि प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि गोद ली गई छात्राओं को कक्षा जमा दो तक प्रत्येक वर्ष यह सहायता प्रदान की जायेगी।

इस अवसर पर ब्रहमाजी राव व लक्ष्मी राव द्वारा छात्राओं को पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने विद्यालय में छात्राओं की सुविधा के लिए एक वाटर कूलर देने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि

शेष पृष्ठ दो पर

नामांकन के दूसरे दिन 28 नामांकन पत्र दाखिल

शिमला . हिमालयन अपडेट

जिला निर्वाचन अधिकारी शिमला रोहन चंद ठाकुर ने बताया कि शिमला नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन के दूसरे दिन 19 वार्डो से 28 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नगर निगम चुनाव के लिए अब तक कुल 38 नामांकन पत्र दाखिल किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड नम्बर-2 रूल्दुभट्टा से दो नामांकन पत्र भरे गए। कांति कुमार हिमालयन सपुत्र गोपी नन्द हिमालयन तथा प्रकाश सिंह रावत सपुत्र राजेंद्र सिंह ने नामांकन भरा। वार्ड नंबर-3 कैथू से भी दो

शेष पृष्ठ दो पर

देहरा गोपीपुर के जगदीप कुमार शर्मा पहले बने लेफ्टिनेंट जनरल, मध्य कमान के सीओएस का संभाला पदभार

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

कांगड़ा जिला के नैहरन पुखर, देहरा गोपीपुर निवासी लेफ्टिनेंट जनरल जगदीप कुमार शर्मा, देहरा गोपीपुर से पहले सैन्याधिकारी हैं जिन्हें सेना के वरिष्ठ सैन्याधिकारी के रूप में तीन सितारों से सुशोभित लेफ्टिनेंट जनरल रैंक का पद प्राप्त हुआ है।

मध्य कमान मुख्यालय लखनऊ की जनसम्पर्क अधिकारी गार्गी सिन्हा ने यह जानकारी देते हुये बताया कि ले0 जनरल जगदीप कुमार शर्मा ने अभी हाल ही में मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) का पदभार संभाला है।विदित है कि मध्य कमान

भारतीय सेना का सबसे बड़ा एवं सामरिक दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण कमान है।

1982 में इंडियन आर्मी में कमीशन : गार्गी सिन्हा ने बताया कि कांगड़ा जिला एक बड़ा सैन्य भर्ती बेस है और लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा को मध्य कमान के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में तैनाती इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। एक साधारण व विनम्र परिवार से ताल्लुक रखनेवाले जगदीप

शेष पृष्ठ दो पर

सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के इंजीनियरों को आपदा प्रबन्धन में किया जाएगा प्रशिक्षित

शिमला . हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए सेंदाई ढांचे के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन के समापन समारोह के अवसर पर कहा कि सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के इंजीनियर विशेषकर सिविल इंजीनियरों को आपदा प्रबन्धन तकनीकों का प्रशिक्षण देना चाहिए, ताकि प्रदेश के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबन्धन के आदर्श रूप को लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर शहरी क्षेत्रों में वार्ड

शेष पृष्ठ दो पर

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पर्यावरण जागरूकता पहल के तहत लोगों से संपर्क प्रकृति की निकाली रैली

शिमला . हिमालयन अपडेट

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पर्यावरण जागरूकता पहल के तहत लोगों से संपर्क प्रकृति का आयोजन किया। राज्य बोर्ड ने नारे के लेखन पर विभिन्न अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित कीं, पोस्टर बनाने और पोर्टमोर विद्यालय शिमला में मॉडल बनाने। इस दिन के लगभग 28 स्कूलों के 300 से अधिक बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

राज्य बोर्ड ने पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया, जो डीसी कार्यालय से शुरू हुआ और जीएसएस स्कूल पोर्टोर में समाप्त हुआ। 30

स्कूलों के 800 से अधिक बच्चों ने पर्यावरण रैली में भाग लिया। रैली को एस द्वारा रवाना किया गया था तरुण कपूर, अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी), सरकार हिमाचल प्रदेश के उन्होंने इस अवसर पर पोर्टमोर स्कूल शिमला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति की और पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि इस उत्सव में भाग लेने वाले बच्चों को अपने जीवन भर में पर्यावरण संरक्षण के राजदूत होंगे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए जोर दिया। हिमाचल प्रदेश

शेष पृष्ठ दो पर

BRAGTA JEWELLERS
BRAGTA JEWELLERS
TRADE | PROMOTION | SCHEME

◆ विवाह व त्यौहारों की खरीददारी पर
भारी छूट
◆ आभूषण बनवाई
निशुल्क
◆ महीनेवार किट्टी योजना
◆ सिल्वर एंटिक ज्वेलरी

Cont. No.: +91-98162 55401, +91-177-2629401
E-mail: bragta.gulab@gmail.com
Address: Byepass Road, Khalini, Shimla-2 (H.P.)

तीन साल में नियमित होंगे पीस मील कर्मी : जी.एस. बाली

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

परिवहन मंत्री जीएस बाली ने कहा कि एचआरटीसी में अनुबंध आधार पर

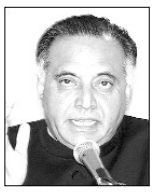

तकनीकी सेवाएं दे रहे पीस मील कर्मियों की सेवाएं तीन वर्ष का अनुबंध कार्यकाल पूरा करने पर नियमित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पीस मील वर्करों को अनुबंध सेवा में लेने की अवधि को भी घटाया गया है। उन्होंने कहा कि आईटीआई डिप्लोमा धारक पीस मील वर्कर 5 साल की बजाए 4 साल में और गैर आईटीआई पीस मील वर्कर 6 साल की बजाए 5 साल में अनुबंध सेवा में लाए जाएंगे।

परिवहन मंत्री ने कांगड़ा में निफ्ट के कार्यक्रम में भाग लेने के उपरांत यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एचआरटीसी के सेवानिवृत पैंशनधारकों को दो माह की पैंशन के लिए 18 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इससे बड़ी संख्या में सेवानिवृत कर्मचारी लाभन्वित होंगे।

जीएस बाली ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आरामदायक परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम ने अपनी बसों में सफर को कैशलेस बनाने के लिए एक और पहल करते हुए प्वाइंट ऑफ सेल मशीनें लगाने की शुरूआत की है।

प्रारंभिक चरण में ये मशीनें एचआरटीसी की सुपर लग्जरी एवं वातानुकूलित बसों में तथा टिकट आरक्षण केंद्रों में उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए आरंभ में 200 सुपर लग्जरी, वातानुकूलित एवं डीलक्स बसों में प्वाइंट ऑफ सेल मशीनों की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके उपरांत लंबी दूरी की सामान्य बसों में यह सुविधा दी जाएगी। इससे यात्री क्रेडिट अथवा डेबिट कार्ड से टिकट खरीद सकते हैं और इसके लिए उन्हें कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं करना होगा।

बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं, इनके पालन पोषण में कोई कमी न रहे

शिमला . हिमालयन अपडेट

बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं, इनके पालन पोषण में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। यह बात अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अर्पणा शर्मा ने सर्वोदय बाल आश्रम शिमला में रहने वाले छात्रों को सम्बोधित करते हुए अपने सम्बोधन में कही।

इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालक को 14 वर्ष तक शिक्षा का अधिकार है जिसे कोई नहीं छीन सकता। सरकारी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल के अतिरिक्त गैर सरकारी व कांन्वेट स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें निर्धन परिवार से सम्बन्ध रखने वाले बच्चों के लिए सरकार द्वारा आरक्षित की गई है।

शारीरिक बल एवं मानसिक एकाग्रता के लिए खेल आवश्यक : डॉ. शांडिल

सोलन . हिमालयन अपडेट

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे शारीरिक बल एवं मानसिक एकाग्रता के लिए नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लें। डॉ. शांडिल डे एण्ड नाईट फुटबाल प्रतियोगिता के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

डॉ. शांडिल ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए व्यायाम अनिवार्य है तथा खेलों के माध्यम से युवा व्यायाम के विभिन्न आयामों में सिद्धहस्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश के सर्वांगीण विकास में युवाओं का योगदान किसी से छिपा नही है तथा शारीरिक एवं मानसिक चुस्ती के लिए खेल आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी असीमित ऊर्जा को देश के समग्र विकास की दिशा में लगाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जहां अपनी प्रतिभा से विश्व पटल पर स्थापित हो सकते हैं वहीं वे अन्य को भी इस दिशा में प्रेरित कर सकते हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि आज नशे की समस्या सभी के लिए गम्भीर रूप धारण करती जा रही है। उन्होंने कहा कि इस सामाजिक अभिशाप से सफलतापूर्वक निपटने के लिए युवाओं के साथ-साथ समाज को भी पहल करनी होगी। युवाओं को जहां अपने साथियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना होगा वहीं समाज के सभी वर्गों को युवाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना होगा। उन्होंने डे एण्ड नाईट फुटबाल प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए ऐसे आयोजन नियमित अन्तराल पर होने चाहिएं।

पहले पन्ने के शेष

स्थानीय परम्पराएं एवं ...

उच्च पाठशाला में स्तरोन्नत करने, स्वास्थ्य उप-केन्द्र खंगतेड़ी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्तरोन्नत, खंदराला में पुलिस चौकी खोलने, छपोरी में सामुदायिक हॉल तथा हुई-खदराला सड़क के विस्तारीकरण की घोषणाएं की। स्थानीय विधायक मोहन लाल बराक्टा ने अपने गृह क्षेत्र में मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल के दौरान रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। खंगतेड़ी ग्राम पंचायत की प्रधान अनिता ठाकुर ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा उन्हें स्थानीय मांगों से अवगत करवाया। पंचायती राज संस्थानों के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्राकृतिक सौंदर्य ...

की। उन्होंने पार्क के सौंदर्यकरण के लिए 91 लाख प्रदान किए, नगर पंचायत चौपाल की सड़कों पर टायलें लगाने के लिए 65 लाख की राशि प्रदान की। उन्होंने सार्वजनिक शौचालय के लिए 10 लाख, वार्ड नंबर-1 के एंबुलेंस रोड के लिए पांच लाख, नगर पंचायत मीटिंग हॉल के लिए 20 लाख, ब्राह्मण सामुदायिक भवन के लिए पांच लाख की राशि प्रदान की।

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत चौपाल की सीवरेज के लिए 51 लाख की राशि पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है, जिसकी डीपीआर तैयार कर सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग को जल्द देने को कहा।

लैफ्टिनेंट हरि सिंह स्मारक खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान बॉलीबाल के मुकाबले में सांई संगरूर की टीम ने स्पोर्ट्स क्लब चौपाल से जीत हासिल की। एक अन्य मैच में एचएसआईडीसी पंचकुला ने नॉर्थ वेस्ट रेलवे जयपुर को हराया।

इस अवसर हिमाचल प्रदेश मार्केटिंग कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मंगलेट, स्पोर्टस क्लब चैपाल के अध्यक्ष रजनीश किमटा, नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमोहन ठाकुर, कांग्रेस जिला महासचिव धरेंद्र चौहान, जिला परिषद सदस्य बमटा अनीता किमटा, उपमंडलाधिकारी अनिल चौहान, डीएसपी मनीष, खंड विकास अधिकारी चौपाल, निदेशक शहरी विकास डीके गुप्ता तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

देहरा गोपीपुर ...

कुमार शर्मा ने मेकेनाईज्ड इंफैन्ट्री रेजिमेंट की नौवीं बटालियन में जून 1982 को कमीशन प्राप्त की थी। वे दिसंबर 2002 से मई 2005 तक स्ट्राईक कोर में इसी बटालियन की कमान संभाल चुके हैं।

कई सैन्य ऑपरेशनों मैं पराक्रम : गार्गी सिन्हा ने बताया कि जगदीप कुमार शार्मा ने अपने सैन्य सेवा के दौरान विभिन्न सैन्य ऑपरेशनों जिनमें - ऑपरेशन विजय, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरशेन त्रिशूल शक्ति, ऑपरेशन आर्किड एवं ऑपरेशन पराक्रम शामिल हैं, सफलतापूर्वक हिस्सा लिया है। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने सेना के कई व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा किया है जिसमें दिल्ली स्थित नेशनल डिफेंस कॉलेज से किये गये सैन्य पाठ्क्रम भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अपने 35 वर्षों की सैन्य सेवा के दौरान ले0 जनरल जगदीप कुमार शर्मा विभिन्न कमान एवं अनुदेशकीय पदों पर रहे हैं। ले0 जनरल शर्मा ऑपरेशनल योजना के तहत मिलिट्री ऑपरेशन्स महानिदशालय में जनरल स्टाफ ऑफिसर-1 के रूप में जुड़े रहे। वह उच्चस्थ पर्वतीय क्षेत्र में एक कोर के कर्नल जनरल स्टाफ (ऑपरेशन्स) भी रहे।

युवायों के लिए प्रेरक : वर्तमान पदभार संभालने से पहले ले0 जनरल जगदीप कुमार शर्मा मिलिट्री ऑपरेशन महानिदेशालय में मिलिट्री ऑपरेशन (इंफार्मेशन वारफेयर) के अपर महानिदेशक के पद पर तैनात थे। ले0 जनरल शर्मा अध्ययन में रूचि रखते हैं तथा साहसिक अभियानों के शौकीन हैं। ले0 जनरल जगदीप कुमार शर्मा न केवल सैन्य कर्मियों के लिए बल्कि कांगड़ा जिले के युवाओं के लिए भी एक प्रेरणा के स्रोत हैं जो युवाओं को सेना में अपना कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित करने का माध्यम बन गये हैं।

राज्य प्रदूषण ...

राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव डा। संजय सूद ने अपने संबोधन में पूरे राज्य में राज्य बोर्ड द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने आगे जोर दिया कि पर्यावरण संरक्षण हमारी परंपरा और संस्कृति में है और यह हमारी मां पृथ्वी को बचाने के लिए मानव जाति के हित में है। प्राचार्य, पोर्टमोर स्कूल ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और उसके स्कूल द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों का मूल्यांकन किया।

इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे जैसे कि स्कीट कार्यक्रम भी प्लेटफार्म एनजीओ और स्व-अहवाज एनजीओ द्वारा आयोजित किया गया था। उन्होंने इस घटना के संगठन में भी भाग लिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी), सरकार द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को पुरस्कार दिए गए थे। हिमाचल प्रदेश के मॉडल बनाने की प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार सरकार को दिया गया था सीनियर सेकेंडरी स्कूल लखड बाज़ार पोस्टर बनाने के लिए डीएवी महात्मा आननाद पब्लिक स्कूल न्यू टुतू की सक्षी पठानिया को प्रथम पुरस्कार दिया गया था। इसी प्रकार नारे के लेखन प्रतियोगिता में, प्रथम पुरस्कार विजेता में सरस्वती स्वर्ग स्कूल की जिग्यास नेगी घोषित की गई थी विभिन्न स्कूलों के पेशेवर फोटोग्राफर ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रमों के न्यायाधीश थे ए.के. रवि, सीनियर एनवाई। अभियंता, प्रवीण गुप्ता, सीनियर एनव। इंजीनियर और डॉ मनोज चौहान, पीआर राज्य बोर्ड के वैज्ञानिक अधिकारी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसे कई अधिकारी प्रवीण गुप्ता सीनियर पर्यावरण अभियंता, शशि शेखर, वैज्ञानिक अधिकारी, रमाकांत अवस्थी वैज्ञानिक अधिकारी और प्रवीण शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी और सुनील शर्मा, जूनियर, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पर्यावरण अभियंता इस अवसर पर उपस्थित रहे।

पीएनबी लाडली ...

पंजाब नेशनल बैंक कॉरपोरेट सामजिक दायित्व की गतिविधियां करता आया है और आगे भी करता रहेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक पीएनबी शिमला जीएस गढोंक, मंडल प्रमुख सर्कल हैंड धर्मशाला सुनील सोनी, उपमंडल प्रमुख पीएनबी टीसी धीमान, अध्यक्ष कोपरेटिव सोसाइटी सेराथाना राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सेराथाना की प्रधानाचार्य पूनम चौधरी, गणमान्य लोग तथा स्कूल बच्चे उपस्थित थे।

नामांकन के ...

नामांकन पत्र भरे गए। देवेंद्र चौहान सपुत्र मोती राम चौहान तथा सुनील धर सपुत्र ओंकार नाथ धर ने नामांकन पत्र वार्ड नंबर-5 समरहिल से शैली शर्मा पत्नी अजय कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वार्ड नंबर-9 कच्ची घाटी से दो नामांकन पत्र सावित्री देवी पत्नी भारत भूषण तथा संजय परमार सपुत्र संतन सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

वार्ड नंबर-11 से ज्योति नाहर पत्नी हरविंद्र लाल तथा सिम्मी नन्दा पत्नी अमित नन्दा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वार्ड नंबर-12 से रूप चंद पुत्र चरण दास तथा वार्ड नंबर-13 से विनोद कुमार पुत्र किशोर सिंह तथा सोनिया पत्नी विनोद ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वार्ड नंबर-15 से उत्तम सिंह सपुत्र मोहन सिंह, वार्ड नंबर-18 से आरती चौहान पत्नी रोशन लाल चैहान ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

वार्ड नंबर-19 से बलजीत पुत्र मदन सिंह ठाकुर, वार्ड नंबर-21 शैलेंद्र सपुत्र मादो राम तथा वार्ड नंबर-22 से शशि बहल गौरव हाउस स्मिट्री संजौली, गीता शर्मा गीता भवन डिंगू हिल संजौली, वार्ड नंबर-23 रीता ठाकुर दरोगा निवास गाहन कमलानगर शिमला, वार्ड नंबर-24 मीरा शर्मा शारदा सदन सांगटी संजौली, वार्ड नंबर-26 राजन ठाकुर सपुत्र अशोक ठाकुर, वार्ड नंबर-25 से तीन नामांकन पत्र ईश्वर शर्मा सपुत्र बीजाराम, यशपाल चौहान सपुत्र जयपाल चौहान, दिलीप सिंह सिंगटा सपुत्र साईबू राम, वार्ड नंबर-27 से दो नामांकन पत्र अक्षय दिलैक, सपुत्र नरवीर दलैक तथा वीरेंद्र कुमार सपुत्र श्याम लाल वर्मा ने नामांकन पत्र भरे।

वार्ड नंबर-31 पटियोग से महिमा ठाकुर पत्नी संजीव ठाकुर ने नामांकन पत्र भरा। वार्ड नंबर-33 से जीत राम पंवर सपुत्र संवारू राम ने नामांकन पत्र दाखिल किया।

उन्होंने बताया कि 05 जून को नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन है। इस दिन प्रात: 11 बजे से सायं 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकते हैं। नामांकन पत्र चार सहायक निर्वाचन अधिकारियों उपमंडलाधिकारी शहरी, उपमंडलाधिकारी ग्रामीण, तहसीलदार शहरी तथा तहसीलदार ग्रामीण के पास जमा किए जा सकते हैं।

सार्वजनिक एवं निजी ...

स्तर पर समुदायों को संभावित आपदा बारे जागरूकता व जानकारी प्रदान की जानी चाहिए, ताकि विशेषकर जनसंख्या बाहुल्य क्षेत्रों में आपदा के लिए पर्याप्त तैयारी की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन से विचारों तथा अनुभवों का आदान-प्रदान भवनों के निर्माण में बचाव नीति तथा आपदा में कमी व प्रबन्धन में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आपदा का सुनिश्चित समय जान पाना कठिन है, परन्तु इससे निपटने के लिए तैयार रहने से नुकसान को कम किया जा सकता है।

वीरभद्र सिंह ने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण हिमाचल प्रदेश में विभिन्न आपदाओं का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि आगजनी, बाढ़, भू-स्खलन के अलावा प्रदेश में भूकम्प की संभावना भी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में प्रदेश के सभी हितधारकों के शामिल होने से भवन सहभागिता के लिए बहुक्षेत्रीय तथा बहु अनुशासनिक प्रणाली को स्थापित करने तथा पुन: स्थिति बहाल करने की नीति अपनाने में भी सहायता मिलेगी।

प्रदेश सरकार ने आपदा राहत दिशा-निर्देशों के दृष्टिगत हि.प्र. राहत मैनुअल प्रक्रिया की समीक्षा तथा उन्नयन की पहल की है। प्रदेश में संभावित आपदा के दृष्टिगत राज्य व जिला स्तर पर आपदा प्रबन्धन योजना तैयार की गई है। राजस्व विभाग व आपदा प्रबन्धन के विशेष सचिव श्री डी.डी. शर्मा ने कहा कि राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्देश्य पुन: स्थिति बहाल करने की योजना बनाना तथा स्थानीय स्तर पर सेंदाई ढांचे का कार्यान्वयन करना है।

राज्यपाल का उत्कृष्टता हासिल करने के लिए लड़कियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करने पर बल

शिमला . हिमालयन अपडेट

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि लड़कियां देश की शान हैं, जिन्होंने स्वयं सफलता का मार्ग हासिल किया है। उन्हें सम्मानित जीवन जीने के अधिकार के अलावा पूरा सम्मान दिया जाना चाहिए।

राज्यपाल पोर्टमोर स्कूल शिमला में संस्कार समारोह के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध संस्कृति की गौरवशाली परम्पराएं हैं, जहां महिलाओं का सम्मान और उच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और और देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व मजबूत समाज के निर्माण में महिलाओं की शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। महिलाओं को उपयुक्त सम्मान तथा विकास के समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए तथा लिंग के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

आचार्य देवव्रत ने गुणात्मक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्कूल प्रबन्धन को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि छात्र जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करेंगे और पूर्ण समर्पण से राष्ट्र की सेवा करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से देश की समृद्ध परम्पराओं और संस्कृति को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गुणी विद्यार्थी और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राष्ट्र के विकास के स्तम्भ हैं तथा नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास में योगदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मूल्यों एवं व्यवस्था के विरूद्ध गतिविधियों में शामिल न होकर विकास तथा समाज के उन्नयन के लिए खुद को समर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन करने तथा नैतिक मूल्यों का संचार करने के लिए अध्यापक समुदाय को समर्पण भाव से कार्य करने को कहा।

आचार्य देवव्रत ने नशाखोरी की समस्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि देश को मजबूत युवा पीढ़ी की आवश्यकता है, जो सक्रिय, जानशील और संवेदनशील हो। राज्यपाल ने पाठशाला की मुख्य छात्रा कुमारी मालविका को स्कूली झण्डा भी भेंट किया।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना पर जागरूकता शिविर आयोजित

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

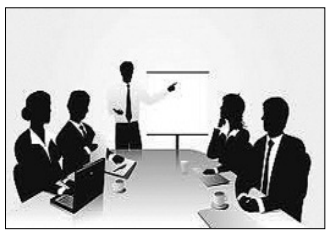

विकास खण्ड भवारना के अंतर्गत ग्राम पंचायत दरंग में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की जानकारी देने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वित्तिय साक्षरता परामर्शदाता बीके शर्मा द्वारा उपस्थित लोगों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत तीन श्रेणियों में आसान ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिसमें शिशु श्रेणी में 50 हजार रुपये तक, किशोर श्रेणी में 50 हजार से 5 लाख रुपये तक तथा तरूण श्रेणी में 5 लाख से 10 लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये का ऋण एनसीजीटीसी (नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कम्पनी) के अधीन रखा गया है।

उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि अपने आधार नम्बर और मोबाइल नम्बर को बचत खाते में जोड़े। इस अवसर पर ग्राम पंचायत दरंग के प्रधान वेद प्रकाश सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मनरेगा के तहत कुठेड़ पंचायत को मिलेगा राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

परियोजना अधिकारी डीआरडीए मुनीष शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कांगड़ा जिला की नगरोटा सूरियां की कुठेड़ पंचायत को मनरेगा के बेहतर कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश की यह एकमात्र पंचायत है जिसे इस पुरस्कार से नवाजा जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार 19 जून, 2017 को विज्ञान भवन, दिल्ली में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मनरेगा के अंतर्गत इस पंचायत में भू एवं जल संरक्षण, शौचालय निर्माण, वर्षा जल संग्रहण, पौधारोपण, भूमि सुधार, रास्तों का निर्माण, प्राकृतिक स्त्रोतों का रख-रखाव इत्यादि कार्य किए गए हैं।

वरिष्ठ वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

शिमला . हिमालयन अपडेट

अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सुनील शर्मा ने बताया कि दौलत सिंह पार्क शिमला में आयोजित वरिष्ठ वर्ग चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। वरिष्ठ वर्ग में ताराहॉल कान्वेंट स्कूल में दसवीं कक्षा की हर्षिता जैन प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लक्कड़ बाजार की सुमन ठाकुर द्वितीय तथा डी.ए.वी.लक्कड़ बाजार स्कूल के दसवीं कक्षा के मोदक वर्मा, तृतीय स्थान पर रहे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा दौलत सिंह पार्क में 29 से 31 मई तक आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले चित्रकारों की कृतियों को गेयटी थियेटर के टेवरन हॉल में प्रदर्शित की जाएगी।

फोरलेन के दृष्टित अधिगृहीत भूमि का कब्जा लेने की प्रक्रिया आरम्भ

सोलन . हिमालयन अपडेट

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग के फोरलेन कार्य के दृष्टिगत परवाणु से चम्बाघाट तक अधिगृहीत की गई भूमि का कब्जा लेने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी गई है। यह जानकारी उपायुक्त सोलन राकेश कंवर ने दी।

राकेश कंवर ने कहा कि इस संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को कब्जा लेते समय जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कब्जा लेने की इस प्रक्रिया में सरकारी भूमि पर स्थित सभी अवैध अधोसंरचनाओं को गिरा दिया जाएगा तथा ऐसी अधोसंरचनाओं के लिए किसी प्रकार का कोई मुआवजा देय नहीं होगा।

राकेश कंवर ने कहा कि जिला प्रशासन के ध्यान में लाया गया है कि कुछ भू-स्वामी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक अधिगृहीत भूमि के एवज में घोषित मुआवजा नहीं लिया है। उन्होंने ऐसे भू-मालिकों से आग्रह किया कि वे शीघ्र अपना मुआवजा प्राप्त करें। ऐसी अधोसंरचनाओं को भी गिराया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि इस संबंध में अधिक जानकारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक से उनके मोबाईल न. 09560290444 पर अथवा उपमण्डलाधिकारी सोलन से उनके

मोबाईल न. 8894366166 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

राकेश कंवर ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को अधिगृहीत भूमि पर कब्जा लेने की प्रक्रिया को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि इस कार्य में जिला प्रशासन को सहयोग दें।

राज्य सरकार ने सात डॉक्टरों को निजी प्रैक्टिस करने के लिए निलम्बित किया

शिमला . हिमालयन अपडेट

राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत सात डॉक्टरों को निजी प्रैक्टिस करने पर निलम्बित किया है। इन डॉक्टरों में डॉ. प्रशांत राणा, चिकित्सा अधिकारी क्षेत्रीय अस्पताल चम्बा, डॉ. दिनेश ठाकुर, चिकित्सा अधिकारी क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर, डॉ. अश्विनी सम्मी, चिकित्सा अधिकारी क्षेत्रीय अस्पताल चम्बा, डॉ. पंकज शर्मा, चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नालागढ़ जिला सोलन, डॉ. अरविन्द शर्मा, चिकित्सा अधिकारी नागरिक अस्पताल कांगड़ा, डॉ. दीपक ठाकुर, चिकित्सा अधिकारी क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर और डॉ. पंकज शर्मा चिकित्सा अधिकारी क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर शामिल हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कौल सिंह ठाकुर ने बताया कि ये डॉक्टर अस्पतालों में अपनी डियूटी से जानबुझ कर अनुपस्थित थे और निजी प्रैक्टिस में शामिल थे। उन्होंने बताया कि ये डॉक्टर ठीक से अपने कर्तव्यों का पालन व मरीजों की ठीक प्रकार से उपचार नहीं कर रहे थे। इसके अलावा, वे निजी प्रैक्टिस में शामिल थे।

उन्होंने कहा कि इन डॉक्टरों के खिलाफ एक जांच कमेटी बिठाई गई थी, जिसने राज्य सरकार को इन डॉक्टरों की अनुपस्थिति की रिपोर्ट सौंपी थी, जिस कारण इस प्रकार सेवाओं में नियमों का उल्लंघन करने पर इन्हें निलम्बित किया गया है।

ठाकुर ने कहा कि कहा कि निलम्बित किए गए डॉक्टरों का मुख्यालय स्वास्थ्य निदेशालय शिमला में निर्धारित किया गया है और से सभी चिकित्सक सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

जिला रैडक्रास सोसायटी ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

जिला रैडक्रास सोसायटी कांगड़ा ने भारतीय खाद्य निगम धर्मशाला के सहयोग से जोनल अस्पताल, धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

यह जानकारी देते हुए जिला रैडक्रास सोसायटी के सचिव ओपी शर्मा ने बताया कि सोसायटी जरूरतमंद लोगों को समय पर वांछित ब्लड ग्रुप का रक्त उपलब्ध करवाने के लिए इस प्रकार के रक्तदान शिविरों का आयोजन करती रहती है। इसके अलावा जिला रैडक्रास सोसायटी द्वारा निर्धन, जरूरतमंद, बीमार, असहाय, पीड़ित व्यक्तियों को नकद सहायता, निःशुल्क औषधियों तथा हार्ट सर्जरी, किडनी व कैंसर जैसे रोगों से पीड़ित

व्यक्तियों को उनके उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

शर्मा ने सभी युवाओं से अनुरोध किया है कि जब भी जिला रैडक्रास सोसायटी ऐसे शिविर का आयोजन करे तो युवा वर्ग बढ़-चढ़ कर भाग लें। इस अवसर पर भारतीय खाद्य निगम धर्मशाला के प्रबंधक विशाल गुप्ता, रवि नेगी, अनुपम कुमार, प्रिंस एम. सैलस, रवि शंकर सहित डॉ. कविता नेगी उपस्थित थी।

नगर निगम चुनाव के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

शिमला . हिमालयन अपडेट

उपायुक्त शिमला एवं निर्वाचन अधिकारी रोहन चन्द ठाकुर ने बताया कि नगर निगम शिमला चुनाव के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। यह सहायक निर्वाचन अधिकारी नगर निगम शिमला चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

उन्होंने कहा कि वार्ड न0 01 भराड़ी, वार्ड न0 02 रूलदू भट्टा, वार्ड न0 03 कैथू, वार्ड न0 04 अनाडेल, वार्ड न0 05 समरहिल, वार्ड न0 06 टुटू, वार्ड न07 मजियाठ, वार्ड न0 08 बालूगंज, और वार्ड न0 09 कच्ची घाटी के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी, उपमण्डलाधिकारी शिमला शहरी श्री हेमिस नेगी नियुक्त किए गए हैं। इन वार्डो के लिए उम्मीदवार या उनके प्रस्तावक अपने नामांकन पत्र उपमण्डलाधिकारी शिमला शहरी के कार्यालय में प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक 02 जून, 03 जून और 05 जून, 2017 को जमा करवा सकते हैं ।

इसी प्रकार वार्ड न0 10 टूटीकंडी, वार्ड न0 11 नाभा, वार्ड न0 12 फागली, वार्ड न0 13 कृष्णानगर, वार्ड न0 14 राम बाजार, वार्ड न0 15 लोअर बाजार, वार्ड न0 16 जाखू, वार्ड न0 17 बेनमोर और वार्ड न0 18 ईंजनघर में नगर निगम पार्षद के चुनाव के लिए उपमण्डलाधिकारी शिमला ग्रामीण श्री ज्ञान सागर नेगी को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इन वार्डो के लिए उम्मीदवार या उनके प्रस्तावक अपने नामांकन पत्र उपमण्डलाधिकारी शिमला ग्रामीण के कार्यालय में प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक 02 जून, 03 जून और 05 जून, 2017 को जमा करवा सकते हैं ।

जबकि वार्ड न0 19 संजौली चौक, वार्ड न0 20 अप्पर ढली, वार्ड न0 21 लोअर ढली, वार्ड न0 22 शांति विहार, वार्ड 23 भटटाकुफर, वार्ड न0 24 सांगटी, वार्ड न0 25 मल्याणा और वार्ड न0 26 पंथाघाटी के लिए तहसीलदार ग्रामीण शिमला श्री मनजीत शर्मा को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। इन वार्डो के लिए उम्मीदवार या उनके प्रस्तावक अपने नामांकन पत्र तहसीलदार शिमला ग्रामीण के कार्यालय में प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक 02 जून, 03 जून और 05 जून, 2017 को जमा करवा सकते हैं ।

उन्होंने बताया कि वार्ड न0 27 कसुम्पटी, वार्ड न0 28 छोटा शिमला, वार्ड न0 29 विकासनगर, वार्ड न0 30 कंगनाधार, वार्ड न0 31 पटयोग, वार्ड न0 32 न्यू शिमला, वार्ड न0 33 खलीनी और वार्ड न0 34 कनलोग के लिए नगर निगम पार्षद चुनाव के लिए तहसीलदार शिमला शहरी संजीव गुप्ता को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

« सम्पादकीय »

प्रदेश सरकार बागवानी उत्पादन बढ़ाने के लिये प्रयासरत

हिमाचल प्रदेश की आर्थिक उन्नति में बागवानी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सौभाग्यवश, राज्य की विविध भौगोलिक स्थितियां यहां बागवानी के लिये व्यापक संभावनाएं उपलब्ध करवाती हैं। बागवानी के सतत् विकास के लिये उत्पादन बृद्धि पर विशेष बल दिया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों के दौरान बागवानी के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। राज्य सरकार, प्रदेश में बागवानी क्षेत्र को विकसित करने के लिये अनेक सुविधाएं एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। किसानों एवं बागवानों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्य में समेकित बागवानी विकास के लिये पिछले तीन वर्षों के दौरान केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अन्तर्गत 115.48 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है। हरित गृहों के निर्माण के लिये अनुदान 85 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है जिसमें से 35 प्रतिशत राज्य सरकार वहन कर रही है। ओलावृष्टि रोधक जालियों पर 80 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जा रहा है और 30 प्रतिशत राज्य सरकार वहन कर रही है। चालु वित्त वर्ष के दौरान दो लाख वर्गमीटर क्षेत्र को संरक्षित खेती के अन्तर्गत लाने के साथ 12 लाख वर्गमीटर अतिरिक्त क्षेत्र को एन्टी हेल नेट प्रदान किए गए हैं। बागवानी विकास के लिये वर्ष 2013-14 से 2015-16 के दौरान राज्य योजना बजट में 94 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह बजट 84.97 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 164.94 करोड़ रुपये किया गया है।

हिमाचल प्रदेश फल नर्सरी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के प्रावधानों को और कड़ा करने के उद्देश्य से इसमें संशोधन किया गया है। उक्तावधि के दौरान निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में 154 नई नर्सरियों का पंजीकरण तथा 254 का नवीनीकरण, जबकि 48 नर्सरियों का प्रत्यापन किया गया है। वर्तमान में राज्य में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में 667 पंजीकृत तथा सात ऊतक संवर्धन प्रयोगशालाओं का रखरखाव किया जा रहा है। राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान विविध बागवानी के अन्तर्गत 9219 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र शामिल किया गया है। इसी अवधि में 22634 मीट्रिक टन मशरुम, 4725 मी.टन शहद तथा 240 लाख रुपये का पुष्पोत्पादन किया गया है। प्रदेश में पिछले तीन वर्षों के दौरान फसल बीमा योजना को 127791 किसानों ने अपनाया है और राज्य सरकार ने 25 प्रतिशत प्रीमियम का दायित्व वहन करके 15.54 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जिसके विरूद्ध 44092 किसानों को 33.97 करोड़ रुपये के दावे प्रदान कर लाभान्वित किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण एवं विकास दोनों जरूरी हैं

वन विश्व के लिए वातानुकूलन तथा पृथ्वी के लिए आवरण का काम करते हैं। वे जल का संचय करते है, भूमिक्षरण को रोकते हैं, सूखा अकाल तथा बाढ़ की विभीषिका से मुक्ति दिलाते है तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने तथा सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। विश्व भर में वनक्षेत्र में कमी से वर्षा का पैटर्न बदला है। निर्वनीकरण से आद्रता, प्रभाव तथा जलधारण क्षमता में कमी आई है। निर्वनीकरण से नदियों में अधिक बाढ़े आने लगी हैं।

डॉ. दीना नाथ तिवारी
अध्यक्ष, उत्थान: सेन्टर फॉर सस्टेनवल डेवलपमेंट एण्ड पावर्टी एलिवेशन

अनादिकाल से देश में पर्यावरण की चेतना से पंचमहाभूत (यानी आकाश, वायु, अग्नि, जल, एवं पृथ्वी) को साधने का प्रयास किया गया। सदैव से पर्यावरणीय संतुलन को प्रकृति पर निर्भर पाया गया। तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगीकरण एवं बदलती कृषि व्यवस्था के अंधाधुध विकास के फेर में लोगों ने धरती का पर्यावरण बिगाड़ दिया है। शुरूआत विकसित देशों ने किया परन्तु विनाश की कीमत सभी को अदा करनी पड़ रही है। प्रकृति की रक्षा भारतीय संस्कृति से ही संभव है।

वायु एवं जल प्रदूषण, भूमि क्षरण एवं उत्पादकता में कमी, मरूस्थलीकरण, निर्वनीकरण, जैविक विविधता का क्षरण एवं पारिस्थितिकी ह्रास से पर्यावरण को भारी नुकसान हुआ है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताविक पर्यावरण नुकसान के चलते हर साल भारतीय अर्थव्यस्था को 80 अरब डालर की चपत लगती है। टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने के लिए देश को प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण एवं संवर्धन पर ध्यान देना होगा तथा तकनीकी ज्ञान, नीतिगत दखल तथा ग्रीन जी0 डी0 पी0 इंडेक्स विकसित करना होगा।

सुखद बात यह है कि विश्व स्तर पर राष्ट्रों ने सतत विकास का 2030 एजेन्डा अपनाया है तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने हेतु पेरिस समझौता 2015 के अर्न्तगत विश्व के तापमान को 2 सेटींग्रेड से कम रखने का निश्चय किया है।

शुद्ध प्राणवायु जीवन के लिए अनिवार्य है परन्तु वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। संयुक्तराष्ट्र स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख लोग वायुप्रदूषण के कारण मरते हैं तथा करोड़ो बीमार पड़ते हैं। बच्चों पर इसका सबसे अधिक कुप्रभाव पड़ता है। वायुप्रदूषण में कमी लाने हेतु निम्न प्रयास आवश्यक हैं:-

- सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, न्युक्लीयर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाना तथा 2022 तक 175 गेगाबाट उत्पादन की क्षमता विकसित करना।
- बायो-इथानाल, बायोडीजल के उत्पादन एवं उपभोग में वृद्धि। हाईब्रिड वाहनो के प्रचलन को बढ़ावा देना।
- इको फ्रेंडली या ग्रीन वाहनों का प्रचार, प्रसार ताकि सल्फर, नाइट्रोजन डाई आक्साइड का उत्सर्जन कम हो सके।
- देश में दो लाख इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी ।
- घर के होने वाले प्रदूषण में कमी लाने हेतु गैस चूल्हो, सौर चूल्हे तथा जट्रोफा के तेल से खाना बनाने एवं पानी गरम करने की व्यवस्था।

स्वच्छता अपनाकर हम प्रदूषण दूर कर सकते हैं। कहा भी गया है:-

''कि स्वच्छता विश्व को दिया
प्रकृति से मिला वरदान है,
कि मनुष्य को मिले दो हाथ
जानवरो को पूंछ, पक्षियों को चोंच
स्वच्छता के लिए ....''

निर्मल, अविरल जल जीवन का प्रतीक है। धरती में जीवन की उत्पत्ति से लेकर सभ्यताओं के विस्तार तक हर संरचना की नीव में जल है। प्रकृति ने पृथ्वी पर जीवो के अनुपात में जल संसाधन सौपें हैं। इनके कुशल प्रबंधन से ही इन्हे आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजा जा सकता है। अन्तरराष्ट्रीय संस्था वाटरएड की रिपोर्ट के अनुसार भारतवर्ष में 6.3 करोड़ लोगों को स्वच्छ पानी नही मिल रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण देश को बेहद खराब मौसम (बाढ़, सूखा, प्रदूषण आदि) का सामना करना पड़ेगा। जल संरक्षण एवं सदुपयोग हेतु निम्न प्रयास आवश्यक हैं:-

- जल संसाधन का समन्वित विकास,
- देश की प्रमुख नदियों जैसे गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी आदि को स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल बनाना।
- नदियों को जोड़ना ताकि अधिक पानी को सूखे वाले क्षेत्र में पहुचाया जा सके।
- सीवेज एवं औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित जल का शोधन एवं दोबारा उपयोग।
- बाढ़ के जल को रोककर जमीन में डालना।
- अत्याधुनिक तकनीकी के जरीये सिचाई करके पानी की बरबादी को रोकना।
- समुद्रीय द्वीपो में खारे जल का शोधन करके उपयोग में लाना।

जल का संरक्षण एवं सदुपयोग आवश्यक है तभी कहा गया है कि:-

''बिन पानी सूनी सब दुनिया,
इस धरती का जीवन पानी।
बूंद-बूंद हर वक्त बचाओ,
है अनमोल बूंद भर पानी।''

वनों में 296 गैगाटन कार्बन इक्ठ्ठा है तथा अधिक मात्रा में वे कार्बन डाइआक्साइड शोषित करने की क्षमता रखते हैं। विश्व की 75 प्रतिशत से अधिक जैविक विविधता वनो में पाई जाती है। विश्व का 75 प्रतिशत शुद्ध जल फारेस्टेड वाटरशेड एवं वेटलैण्ड से प्राप्त होता है। वे भूमि एवं जल का संरक्षण करते हैं तथा पर्यावरण के संरक्षण में अत्यन्त सहायक हैं।

वन विश्व के लिए वातानुकूलन तथा पृथ्वी के लिए आवरण का काम करते हैं। वे जल का संचय करते है, भूमिक्षरण को रोकते हैं, सूखा अकाल तथा बाढ़ की विभीषिका से मुक्ति दिलाते है तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने तथा सतत विकास को बढ़ावा देते हैं।

विश्व भर में वनक्षेत्र में कमी से वर्षा का पैटर्न बदला है। निर्वनीकरण से आद्रता, प्रभाव तथा जलधारण क्षमता में कमी आई है। निर्वनीकरण से नदियों में अधिक बाढ़े आने लगी हैं। इससे अपरदन बढ़ा है और नदियां गाद से भर गई हैं। जल-ग्रहण क्षेत्र में वनस्पतियों की क्षति से नदियो की जलमात्रा तथा गुणवश्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। पर्वतो पर अधिक वृक्ष कटाई से भूस्खलन में वृद्धि होती है। जैविक विविधिता के ह्रास से आपदाओ के प्रति पर्यावरण की सुभेदता बढ़ती है।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वनवृद्धि हेतु निम्न प्रयास आवश्यक है:-

- राष्ट्रीय वननीति के अनुसार देश के एक तिहाई क्षेत्र को वनों/वृक्षों से आच्छादित करना,
- कृषि-वानिकी को बढ़ावा देना ताकि खेती को जलवायु स्मार्ट बनाया जा सके।
- वनवासियों को वन प्रबंधन में भागीदार बनाना ताकि अबैध वन कटाई में रोक लग सके तथा गरीबी, भुखमरी एवं शोषण का अन्त हो सके।
- वन उद्योगों में रोजगार सृजन की अपार क्षमता है। सही नीति अपनाकर तथा समुचित व्यवस्था द्वारा प्रतिवर्ष वनकार्यो में लगभग 50 लाख लोगों को अतिरिक्त रोजगार देना संभव है।
- इको-टूरिज्म की मांग लगातार बढ़ रही है। इसकी समुचित व्यवस्था द्वारा 2022 तक हम अन्तराल के क्षेत्रो को भी विकसित कर सकते है।

वन विनाश को रोककर ही पर्यावरण संरक्षण संभव है:-

''कटी सघन वृक्षावली, मिटी चैन की ठांव।
पंथी - पंछी खोजते, व्याकुल ठंडी छांव।।
प्रवल ग्रीष्म के दाह को द्रुमदल देते रोक।
वन-उपवन शीतल रहें, वनचर रहें अशोक।।

कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। यदि यह काम सही तरह किया जा सके तो शहरों को साफसुथरा रखने के साथ पर्यावरण की रक्षा का लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है और रोजगार के अवसर भी पैदा किए जा सकते हैं। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि मौजूदा जीवनशैली ऐसी हो गई है कि अब कहीं अधिक कचरा पैदा हो रहा है। कचरा निस्तारण को हमें अभियान के रूप में अपनाना होगा। भारत सरकार पर्यावरण दिवस अर्थात पांच जून 2017 से चार हजार शहरों में ठोस एवं तरल कचरे को अलग-अलग एकत्रित करने और निष्पादित करने का अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इसे सफल बनाने की जिम्मेदारी सबकी है:-

प्रकृति का 'चर्चा' तत्व का
कि कूड़े-कचरे गंदगी, कबाड़ का
मिट्टी हो धरती बनाना, और
कार्बन डाइ आक्साइड का
पेड़ो के पत्तों से प्राणवायु बनना।

पर्यावरण संरक्षण हेतु स्वच्छ भारत अभियान, स्मार्ट शहर योजना एवं मच्छरों के खिलाफहाई-टेक जंग शुरू किया गया है। अभी 95? मलेरिया प्रभावित इलाकों में देश की आबादी रहती है। चिकनगुनिया एवं डेंगू के मामले भी बढ़ रहे हैं। स्मार्ट मास्किटो डेसिर्टा सिस्टम का प्रयोग आंध्रप्रदेश के विजयवाडा, विशाखापटनम और तिरूपति में किया गया। मच्छरों एवं मलेरिया से छुटकारा दिलाकर ही हम भारत को एक विकसित एवं सुरक्षित देश की श्रेणी में लाने में सफल होगें।

दल-बदलुओं का राजनीति में कोई स्थान नहीं

चौपाल . हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने शिमला जिला के चौपाल में राजकीय महाविद्यालय चौपाल के भवन व व्यावसायिक परिसर की आधाशिला रखी। उन्होंने इस दौरान बासाधार क्षेत्र के कुठार के लिए 7 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली उठाउ सिंचाई योजना की आधारशिला रखी।

चौपाल उत्सव के समापन समारोह के दौरान एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार की शिक्षा हमेशा ही सर्वोच्च प्राथमिकता में रही है और सरकार का लक्ष्य प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों में गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए तत्काल कक्षाएं आरम्भ कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि निजी संस्कृत कालेज को सरकार अपने अधीन लेगी ताकि यह सही प्रकार से कार्य कर सके। उन्होंने कहा कि चौपाल क्षेत्र में दो महाविद्यालय व एक संस्कृत महाविद्यालय से क्षेत्र में शिक्षा नेटवर्क सुदृढ़ हुआ है। चौपाल क्षेत्र के वर्तमान विधायक पर चुटकी लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में दल बदलने वालों का कोई भविष्य नही होता है और न ही लोगों के दिल में उनके लिए कोई स्थान होता है। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि क्षेत्र में किसने विकास कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल-बदलुओं का सरकार पर कोई असर नहीं पड़ता, परन्तु उनके अपने भविष्य पर अवश्य असर पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में लोग जन प्रतिनिधियों के पास नहीं जाते, जबकि जन प्रतिनिधियों को लोगों के घरद्वार पर जाना चाहिए और उनकी समस्याओं का हल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों का यह दायित्व बनता है कि जिन्होंने उन्हें चुनकर भेजा है, वहां के लोगों की वे सेवा करें।

जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय सोलन में आयुष चिकित्सा पद्धति का शुभारम्भ

सोलन . हिमालयन अपडेट

प्रदेश की प्रथम सम्पूर्ण आयुष चिकित्सा पद्धति का शुभारम्भ जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय से किया गया। सम्पूर्ण आयुष चिकित्सा पद्धति से परिपूर्ण अस्पताल का शुभारम्भ संयुक्त निदेशक आयुर्वेद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा ने किया। डॉ. शर्मा ने इस अवसर पर कहा जिला आयुर्वेदिक चिकित्सालय सोलन में आयुष चिकित्सा पद्धति के अंतर्गत रोगियों को एक ही स्थान पर आयुर्वेद, योग, यूनानी, सोवा रिगपा एवं होम्योपैथी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

उन्होंने कहा कि आयुष के तहत रोगियों का निदान प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से सुनिश्चित बनाया जा रहा है। उन्होंने आशा जताई कि यहां रोगियों को सभी पद्धतियों की श्रेष्ठ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. तेजस्वी आजाद ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत यहां आयुर्वेद में डॉ. अंजु गुप्ता, योग में डॉ. अनिता, यूनानी में डॉ. आईएम हुसैन, सोवा रिगपा में डॉ. जाम्पा यागपो तथा होम्योपैथी में डॉ. अनिल पुष्प कुमार सेवाएं उपलब्ध करवायेंगे। उन्होंने कहा कि आरम्भ में इन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से एक दिन के लिए उपचार उपलब्ध होगा। भविष्य में इसे बढ़ाकर हर सप्ताह किया जाएगा।

इस अवसर पर इन्नरव्हील क्लब सोलन मिड टाऊन द्वारा चिकित्सालय के महिला वार्ड के लिए एक एलईटी टीवी उपलब्ध करवाया गया।

7 अगस्त तथा 20 अक्तूबर को स्थानीय अवकाश घोषित

शिमला . हिमालयन अपडेट

प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि 7 अगस्त को शिमला रक्षा बंधन तथा 20 अक्तूबर, 2017 को गोवर्धन पूजा के अवसर पर शिमला में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

उन्होंने कहा कि यह अवकाश नगर निगम शिमला की परिधि के भीतर सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों व शिक्षण संस्थानों पर लागू होगा।

उन्होंने कहा कि यह अवकाश दिहाड़ीदारों पर लागू नहीं होगा और यह अवकाश नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट अधिनियम, 1881 की धारा 25 के अन्तर्गत देय नहीं होगा। इस बारे प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

स्वरोजगार लगाने को आगे आए युवा : जी.एस. बाली

शिमला . हिमालयन अपडेट

खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले परिवहन एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री जीएस बाली ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने पर विशेष जोर दे रही है। राज्य में फैशन डिजाईनिंग, होटल मैनजमेंट, फार्मेसी सहित तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया है ताकि बाजार की मांग के अनुरूप कुशल श्रम शक्ति उपलब्ध हो और युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिले। वे राष्ट्रीय फैशन टैक्नालॉजी संस्थान कांगड़ा के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज, टांडा के सभागार में आयोजित इस समारोह में बाली ने युवाओं से स्वरोजगार लगाने के लिए आगे आने का आह्वान किया।

आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए सेंदाई ढांचे पर राज्य स्तरीय सम्मेलन

शिमला . हिमालयन अपडेट

आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए सेंदाई ढांचे को लागू करने पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, आपदा प्रबन्धन सैल, राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण तथा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय आपदा के पश्चात पुनः स्थिति में आने की कार्य योजना व स्थानीय स्तर पर सेंदाई ढांचे को लागू करना था। राजस्व तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री कौल सिंह ठाकुर प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि थे।

राजस्व मंत्री ने कहा कि पर्वतीय राज्य होने के कारण हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए आपदाओं के खतरे को कम करने के प्रति तत्काल रूप से विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि आपदा के दौरान ढांचागत नुकसान, आर्थिक तथा जानमाल के नुकसान से बचा जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय आकस्मिक आपदा निधि से समय पर सहायता पर बल दिया ताकि ऐसी स्थितियों में प्रभावित लोगों को तुरन्त आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसी भी प्रकार की आपदाओं से निपटने के लिये हर समय तैयार रहने पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भुकम्प-रोधी सरकारी भवनों का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आपदा के लिए तैयार रहना बेहद महत्वपूर्ण है। आपदा जोखिम को कम करने के लिए सेंदाई ढांचे का उपयोग किया जाएगा, ताकि जानमाल, ढांचों के नुकसान तथा विभिन्न प्रकार की आर्थिक क्षति को कम किया जा सके। उन्होंने पुनः स्थिति बहाल करने तथा बचाव की प्रणाली के सृजन पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि विकासात्मक परियोजनाओं में जोखिम को कम करने के लिए आपदा प्रबन्धन नीति तैयार करना आवश्यक है और प्रदेश में भवनों में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए।

पत्रकारिता का आधार है विश्वसनीयता : राज्यपाल

शिमला . हिमालयन अपडेट

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि पत्रकारिता तपस्या, विवेक और सूझबूझ का कार्य है, जो समाज को नई दिशा प्रदान करता है।

राज्यपाल हरियाणा पत्रकार कल्याण मंच द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग के तत्वावधान में 'पत्रकार, समाज और सरकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता ही पत्रकारिता का आधारभूत स्तम्भ है। ऐसी कोई भी घटना, जिसका समाज पर गलत असर हो रहा है, उसे रोकना पत्रकारिता का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की पूर्ण सफलता के लिए यह जरूरी है कि गलत व्यक्ति को भय हो और अच्छे को सहारा मिले।

राज्यपाल ने सकारात्मक पत्रकारिता पर बल देते हुए कहा कि समाचार विकास की गति को बढ़ाने में सहायक हैं। धर्म को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि जिसके धारण करने से स्वयं भी सुखी हों और दूसरे को भी सुख पहंचे, वही धर्म है। उन्होंने कहा कि मानवतावादी सोच, दूसरों के दुख को महसूस करना व पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित रहने से ही समाज का भला होगा और ऐसी सोच को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के प्रेरणास्रोत हैं, जो एक जिम्मेदारी का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनका चिंतन आध्यात्मवादी हो तो समाज का अधिक भला हो सकता है।

आरटीआई के तहत ई-मेल के माध्यम से भी मांगी जा सकती है सूचना

ऊना . हिमालयन अपडेट

सूचना का अधिकार कानून-2005 के तहत अब निर्धारित प्रपत्र, सादे कागज के अतिरिक्त ई-मेल के माध्यम से भी सूचना मांगी जा सकती है, वशर्ते ई-मेल के साथ सूचना मांगने वाले ने निर्धारित फीस का भुगतान किया हो। यह जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत बचत भवन ऊना में जिला के विभिन्न विभागों के जन सूचना अधिकारियों (पीआईओ) एवं अपील अधिकारियों के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में दी। कार्यशाला में एसडीएम ऊना पृथीपाल सिंह तथा एसडीएम अंब सुनील वर्मा ने उपस्थित सभी जन सूचना एवं अपील अधिकारियों को आरटीआई कानून के विभिन्न पहेलुओं बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होने बताया कि आरटीआई एक्ट-2005 के लागू होने से देश के प्रशासनिक कार्यों में दक्षता के साथ-साथ पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। उन्होने कहा कि इस कानून के बनने से अब जनहित से जुडी कोई भी जानकारी छुपी नहीं रह सकती है तथा जनहित से जुडे मामलों की जानकारी हासिल करने का कानूनी हक देश के प्रत्येक नागरिक को मिला है। उन्होने उपस्थित अधिकारियों का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि आरटीआई एक्ट के तहत जनसूचना अधिकारी को 30 दिन की अवधि के भीतर मांगी गई सूचना देना लाजमी है जबकि सूचना से संतुष्ट न होने पर प्रार्थी अपील अधिकारी के पास अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। तदोपरान्त सही सूचना न मिलने पर 90 दिन के भीतर मामले को सूचना आयोग में ले जाया जा सकता है। उन्होने बताया कि समय पर सूचना न देने वाले अधिकारी को प्रतिदिन 250 रूपये तथा अधिकतम 25 हजार रूपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। साथ ही सूचना देने में लापरवाह अधिकारी को सूचना आयोग अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को भी लिख सकता है। उन्होने बताया कि सूचना पाने वाले व्यक्ति को आवेदन पत्र के साथ सूचना हासिल करने बारे कारण बताना जरूरी नहीं है।

मुख्यमंत्री का प्रदेश की समृद्ध संस्कृति व परम्पराओं के संरक्षण पर बल

शिमला. हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने कहा कि मेले व त्योहार हमारे परंपराओं व संस्कृति के सम्वाहक है और इनका संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में अपनी रीति रिवाजों व मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। मुख्यमंत्री शिमला ग्रामीण निर्वाचन विधानसभा क्षेत्र के घणाहट्टी में प्रसिद्ध छिंज मेले के अवसर पर भारी जन समूह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छिंज हमारे देश का पारम्परिक खेल है और इसे बड़े पैमाने पर आयोजन किया जाना चाहिए। इससे पूर्व उन्होंने राजकीय माध्यमिक पाठशाला घणाहट्टी के विज्ञान खण्ड का लोकार्पण किया जिसपर 2.50 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। उन्होंने कहा कि शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान विकास की नई इबारत लिखी गई है और अनेकों नई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र की 45 पंचायतों को लाभान्वित करने वाली 105 करोड़ रूपये की सैंज- धरोग पेयजल योजना जिसका शिलान्यास उन्होंने 2 वर्ष पूर्व किया था, का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है और शीघ्र ही इसे जनता को समर्पित किया जाएगा। इससे पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रमादित्य सिंह ने छिंज का शुभारम्भ करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के युवाओं को खेल गतिविधियां से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के सुन्नी में एक महा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करवाया था।

जी.एस. बाली की केन्द्रीय मंत्रियों से भेंट

शिमला . हिमालयन अपडेट

परिवहन मंत्री जी.एस. बाली ने नई दिल्ली में केन्द्रीय भूतल परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की और कांगड़ा जिला के नगरोटा-बगवां में बाईपास के निर्माण की मांग की।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से राज्य के लिये जल परिवहन तथा इलैक्ट्रिक बसों की मांग को व्यावहारिक रूप देने सहित अन्य संबद्ध मांगों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। केन्द्रीय मंत्री ने उक्त मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। इसके पश्चात, बाली ने केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री वैंकेया नायडू से भी मुलाकात की।

दो मुखी रुद्राक्ष

रुद्राक्ष एक वनस्पति का बीज है यह पानी लाखों में जहां अधिक से अधिक घने जंगल होते हैं और पानी कम टिकता है वॉइस के पेड़-पौधे होते हैं एक मुखी से 13 मुखी तक के बीज एक ही पेड़ पर लगते हैं अधिकतर रुद्राक्ष 5 मुखी होते हैं लेकिन प्रकृति का करिश्मा भी होता है कि उसी पेड़ से एक मुखी और दो मुखी जैसे रुद्राक्ष भी पैदा हो जाते हैं यह केवल किसी प्रकार की ग्रह युति से ही होता है . . .

जय साई लाड़ी शाह दी

ननु शाह 786

हमारा भारत वर्ष स्वतंत्र प्रधान देश है इस देश में यंत्र मंत्र तंत्र को मान्यता केवल इसलिए दी गई है क्योंकि भौतिक तंतर तो केवल समय पर ही सकारात्मक रूप से भरी भूत होते हैं जैसे कहीं आने जाने के लिए मोटर गाड़ी लेकिन जो तंत्र अध्यात्मिक ग्रुप में हॉलीवुड होते हैं उनकी महिमा को केवल समझने वाले को ही समझते हैं शरीर होती इस मशीन का संचालन भी यंत्र मंत्र तंत्र से ही चल रहा है जैसे आंखों से देख कर अनुमान लगाने की क्षमता और जो आंखों से देखा है उसे याद रखने और समय पर उसे पहचानने की क्षमता का विकास पूर्व अनुभव के आधार पर संभव है उसे कहने के बाद क्या कहा है और उसका प्रभाव क्या हो सकता है यह दिमागी अनुभव पर आधारित है अगर अनुभव नहीं है तो गाली देने के बाद शरीर की दुर्दशा तो होनी ही है और पहले से अनुभव है कि गाली देने के बाद शरीर पर मार भी पड़ सकती है तो गाली दी ही क्यों जाती है इसी प्रकार से कानो से सुनने के बाद जोधपुर अनुभव नहीं है तो समझना बेकार ही माना जाता है जैसे कोई केवल हिंदी भाषा को जानता है और उसे अकस्मात तमिलनाडु में जाना पड़ जाए तो वह क्या समझ सकता है लेकिन जो पहले से ही तमिल भाषा को जानता है उसे तमिल का ज्ञान अपने आप होने लगेगा वह आराम से सभी बातों को समझ भी सकता है हम सभी बातों को कह भी होता है लेकिन पूर्व के अनुभव और सीखे गए ज्ञान के बिना संभव नहीं है उसी तरह से मुंह से जो हुआ क्या बोले जाते हैं वह एक भी तरह से शरीर के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले होते हैं जैसे किसी बात को उसे उसे कहने पर शरीर में तनाव हो जाता है किसी बात को कहने के बाद अगर बात की नहीं माना जाए तो दिमाग में नकारात्मक बहुत चिड़चिड़ापन हो जाता है बार बार किसी बात को पूछने पर यह बार-बार उत्तर देने से भी कोई नहीं समझे तो दिमाग घूमने लगता है शरीर के संचालन के लिए दिमाग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है मंत्रात्मक प्रभाव केवल बोलने से समरन करने से ही पैदा होता है जैसे किसी मशीन को संभालने के लिए उसके प्रयोग की जानकारी और उसमें लगने वाले पाठ तथा उसे खोलने के लिए विभिन्न आकार की रेंज पाने जरूरी होते हैं उसी प्रकार से शरीर को किसी प्रकार के प्रभाव से बचाने के लिए बोलने पर सोचने पर होने पर देखने पर स्पर्श करने पर जो प्रभाव होते हैं वही शरीर की गति को बढ़ाने और घटाने वाले होते हैं शरीर के अंदर उसी प्रकार के प्रभाव पर उन्होंने लगते हैं जैसे हम सोचते हैं करते हैं कहते हैं सुनते हैं और समझते हैं दो मुखी रुद्राक्ष का मतलब होता है एक ऐसी वनस्पति जो शरीर को छूने से सूंघने से स्पर्श करने से अपना प्रभाव देती है लेकिन उसकी कसौटी को मापने के लिए कोई विशेष मशीन नहीं होती आजकल प्रतिस्पर्धा के युग में अपने अपने माल को बेचने और सस्ते माल से अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में नकली माल को बेचने का जमाना आ गया है लोग अपने अपने सामान को अधिक से अधिक फायदा का बताकर भेज देते हैं और उसके बाद उसका प्रभाव सही या गलत क्या पड़ता है उससे उन्हें कोई लेन-देन नहीं होता है

दो मुखी रुद्राक्ष कहां पैदा होता है

रुद्राक्ष एक वनस्पति का बीज है यह पानी लाखों में जहां अधिक से अधिक घने जंगल होते हैं और पानी कम टिकता है वॉइस के पेड़-पौधे होते हैं एक मुखी से 13 मुखी तक के बीज एक ही पेड़ पर लगते हैं अधिकतर रुद्राक्ष 5 मुखी होते हैं लेकिन प्रकृति का करिश्मा भी होता है कि उसी पेड़ से एक मुखी और दो मुखी जैसे रुद्राक्ष भी पैदा हो जाते हैं यह केवल किसी प्रकार की ग्रह युति से ही होता है जय श्री राम कार में यह ग्रहण के समय में पैदा किसी भी जीव का बच्चा गालियां कहलाता है या तो कई हाथ पैर बन जाते हैं या कोई जीव या मुंह या दांत बन जाते हैं जीव प्रकृति पर निर्भर है और इसीलिए जीव इस प्रकार के जीवो को नहीं पाल पाता लेकिन वनस्पति के अंदर इतनी प्रॉब्लम क्षमता होती है कि वह अपने बीच को बाल भी लेती है और करामाती भी बना देती है दो मुखी रुद्राक्ष उसी पेड़ पर होता है जिस पेड़ में ग्रहण के समय में कोई शुभ पराग को निषेचित करता है अथवा कई फूल निषेचन की क्रिया को कर लेते हैं उतनी ही फूलों के फल गहानियां बन जाते हैं और कई मुखी रूप धारण कर लेते हैं गौरीशंकर कल भी इसी प्रकार का रुद्राक्ष है यह फल अधिकतर असम के घने जंगलों में पैदा होता है नेपाल की पहाड़ियों में भी पैदा होता है तथा ठंडी जलवायु वाले स्थान में भी पैदा होता है लेकिन कामाख्या पर्वत पर पैदा होने वाली रुद्राक्ष सर्वाधिक महत्वपूर्ण इसलिए भी माने जाते हैं क्योंकि वह शक्ति स्थल पर पैदा होते हैं और भी अपनी शक्ति से पूर्ण होते हैं जरा से जाप और पूजा पाठ से अपना पूरा प्रभाव शरीर और मन के साथ बुद्धि पर देना शुरू कर देते हैं यह कई रुप में प्राप्त होता है कभी बेर के आकार के गोले रूप में मिलता है और कभी लंबे फल के आकार में मिलता है बादाम के आकार का रोनक बहुत ही शुभ माना जाता है तथा सर्प के फन के आकार का

फल जल्दी प्रभाव देने वाला होता है इस पल को नकली और असली समझने के लिए लोग आजकल कई प्रयोग बताते हैं जैसे कि वह पानी में डूब जाता है तो असली है और पानी में नहीं डूबेगा तो नकली है कारण लकड़ी को जोड़ने के काम आने वाले विरोजा को सांचौ मैं डालकर असली रुद्राक्ष का रूप देने के लिए लोग अपने अपने अनुसार इसका रूप बना लेते हैं विरोजा सी बनने के कारण और लकड़ी का बुरादा महीन पीसकर बनाने के बाद सिंदूर और अरंड का तेल लगाने के बाद विरोजा का बना हुआ नकली रुद्राक्ष जिसकी कीमत मात्र 50 पैसे होती होगी उसे लोग हजारों रुपए का बेच देते हैं असली को पहचानने का तरीका होता है कि इसे नाखून से खोदने पर वह लकड़ी के रूप में दिखाई देता है तथा असली रुद्राक्ष कितना ही पानी में रख लो वह किसी स्थान से अपने रूप को नहीं बदलता है इस फल को कच्चा तोड़ने पर यह हल्का हो जाता है और पानी में तैरने लगता है तथा पका होने पर यह भारी हो जाता है और पानी में डूब जाता है लेकिन फल एक जैसा ही देता है यह एक वनस्पति है और अपने वनस्पति के प्रभाव को नहीं बदलता है तो 200 साल तक इसका कोई रुप परिवर्तन नहीं होता है इसे माला में पहनने के बाद यह अपने अनुसार तथा शरीर के एक स्पर्श से लगातार काला होता जाता है उपरोक्त चित्र में असली रुद्राक्ष का रुप देख सकते हैं

दो मुखी रुद्राक्ष कैसे फायदा करता है

रुद्र का मतलब भगवान शिव से लिया जाता है और अक्ष का मतलब होता है भगवान शिव जी योगी के रूप में समाधिस्थ है और उनकी तीसरी आंख माथे के बीच में है जहां एक मुखी रुद्राक्ष अपनी किसी ना किसी प्रकार के दुष्प्रभाव देने के लिए माना जाता है जैसे संतान के लिए पहनना है तो धन में दिक्कत देता है और धन के लिए पहना है तो संतान के लिए दिक्कत देता है आधी बातें मानी जाती है लेकिन दो मुखी के लिए कोई हानिकारक बात नहीं होती है एक मुखी को सोता हुआ और दो मुखी को जागता हो रुद्राक्ष भी कहा जाता है अंतर्मन को ठीक करने वाला और सदैव पित्त को शांत रखने वाला तथा शरीर और मन के बैलेंस को बनाने वाला होता है अक्सर लोग रुद्राक्ष को नंबर ज्योतिष से जोड़कर उसका फल बताने लगते हैं जिससे कि एक नंबर को एक मुखी से और दो मुखी को दो नंबर से तीन मुखी को तीन नंबर से जोड़कर देखते हैं लेकिन रुद्राक्ष का रूप नंबर ज्योतिष से परे ही देखना ठीक होता है दो मुखी रुद्राक्ष में भगवान शंकर की सौम्य और शांत मुद्रा को देखना चाहिए दिमाग की बेचैनी और राहु के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है जिन लोगों को रात को नींद नहीं आती है वाह करने कुछ जाते हैं और करने कुछ लग जाते हैं जिनका मन हमेशा किसी ना किसी बात में अशांत है खूब लगता है कि फायदा होगा लेकिन जैसे ही काम को किया जाता है नुकसान लगने लगता है उस समय किसी ना किसी प्रकार से राहु का ही दुष्प्रभाव माना जाता है साथ ही इस रुद्राक्ष का प्रयोग स्नोफिलिया खांसी वाले रोग जुकाम और शरीर के अंदर केमिकल की मात्रा बढ़नी से भी रोकने में कामयाब है दो मुखी रुद्राक्ष को शोधित करने के बाद अगर चांदी के अंदर पैक करवाने के बाद सही समय और सही रुप में धारण कर लिया जाए तो यह मन के अंदर नकारात्मक बाहर नहीं आने देता है रुद्राक्ष को धारण करते समय रुद्राक्ष की प्राण प्रतिष्ठा जरूर करवानी चाहिए जैसे किसी वस्तु के लिए मानसिक भावना में सकारात्मकता को पैदा करना जब तक किसी वस्तु को सकारात्मक प्रभाव से पूर्ण नहीं किया जाएगा तब तक किसी भी वस्तु से फायदा लेना तो दूर बेकार में वजन गले में डाल कर घूमना ही माना जाएगा!

यह दाना सहज ही दुर्लभ हो जाता है यह प्राय चपटे आकार में प्राप्त होता है इसमें यहां समृद्धि और सुरक्षा करने की शक्ति विद्यमान रहती है वहीं यह वशीकरण प्रभाव से भी युक्त होता है स्त्रियों के लिए स्वास्थ्यवर्धक और गर्व रक्षक माना जाता है इस रुद्राक्ष को धारण करने वाला व्यक्ति जनप्रिय संपन्न स्वास्थ्य और देव पूजा का अनुरागी होता है कुछ ग्रंथों के अनुसार इसमें शिव और शक्ति दोनों की दिव्यता निहित रहती है इस कारण दांपत्य प्रेम बंधुत्व और सर्वजन वशीकरण के क्षेत्र में यह विशेष रूप से प्रभावशाली सिद्ध होता है जो भी हो यह अनु भूत सत्य है कि यदि दो मुखी रुद्राक्ष विधिवत धारण किया जाए तो व्यक्ति व्यवहारिक जगत में सफलता और प्रभाव की सृष्टि करता है

रुद्राक्ष को धारण करने का सरल मंत्र यह है

ओम श्रीं ह्रीं श्रौं ब्रीं ओम

विशेष : दो मुखी रुद्राक्ष देव देवेश्वर कहलाता है जो सब कामनाओं को पूर्ण करने वाला होता है इसे निम्न मंत्र से धारण करना चाहिए!

''ओम नम:''

गहरी नींद भी है जरुरी

शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन लगभग 7 घंटे की गहरी नींद एक वयस्क के लिए जरुरी है,लगातार नींद पूरी ना होना तथा बार बार नींद खुलना,अनेक बीमारियों का कारण बनता है।

अच्छी नींद के लिए ये उपाय करें : सोने का कमरा साफ सुथरा, शांत एवं एकांत में होना चाहिए, रात को अधिकतम 10-11 बजे तक सो जाना और सुबह 5-6 बजे तक उठ जाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है,सोने से पहले शवासन करने से अच्छी नींद आती है,खाना सोने से 2-3 घंटे पहले कर लेना चाहिए एवं शाम को खाना खाने के बाद 20-25 मिनट अवश्य घूमें।

टेंशन को कहें बाय बाय : रोज मर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्यों के लिए चिंतन करना सही है चिंता करना नहीं,चिता तो फिर भी मरने के बाद शरीर को जलाती है किन्तु लगातार अनावश्यक चिंता जीते जी शरीर को जला देती है इसलिए तनाव होने पर भाई,बंधू एवं विश्वास पात्र मित्रों से सलाह मश्वरा करें यदि समस्या फिर भी ना सुलझे तो विशेषज्ञ से राय लें।

आधुनिक जीवन शैली की तेज रफ्तार में सेहत का रखे ख्याल

सेहत का ख्याल आधुनिक जीवन शैली की तेज रफ्तार एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का विषय बहुत पीछे रह गया है और नतीजा यह निकला की आज हम युवावस्था में ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, ह्रदय रोग, कोलेस्ट्रोल, मोटापा, गठिया, थायरॉइड जैसे रोगों से पीड़ित होने लगे हैं जो कि पहले प्रोढ़ावस्था एवं व्रद्धावस्था में होते थे और इसकी सबसे बड़ी वजह है खान पान और रहन सहन की गलत आदतें, आओ हम सेहत के इन् नियमों का पालन करके खुद भी स्वस्थ रहे तथा परिवार को भी स्वस्थ रखते हुए अन्य लोगों को भी अच्छे स्वास्थय के लिए जागरूक करें ताकि एक स्वस्थ एवं मजबूत समाज और देश का निर्माण हो,क्योंकि कहा भी गया है-पहला सुख निरोगी काया द्य

भोजन हो संतुलित : घी,तैल से बनी चीजें जैसे पूड़ी, पराँठे, छोले भठूरे, समोसे कचौड़ी, जंक फूड, चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक का ज्यादा सेवन सेहत के लिए घातक है इनका अधिक मात्रा में नियमित सेवन ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल, मधुमेह, मोटापा एवं हार्ट डिजीज का कारण बनता है तथा पेट में गैस, अल्सर, ऐसीडिटी बार बार दस्त लगना, लीवर ख़राब होना जैसी तकलीफें होने लगती हैं इनकी बजाय खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही, छाछ, अंकुरित अनाज और सलाद को शामिल करना चाहिए जो की विटामिन, खनिज लवण, फाइबर एव जीवनीय तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

चीनी एवं नमक का अधिक मात्रा में सेवन ना करें, ये डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ह्रदय रोगों का कारण हैं।

बादाम, किशमिश, अंजीर, अखरोट आदि मेवा सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं इनका सेवन अवश्य करें।

पानी एवं अन्य लिक्विड जैसे फलों का ताजा जूस, दूध, दही, छाछ, नींबू पानी, नारियल पानी का खूब सेवन करें, इनसे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती, शरीर की त्वचा एवं चेहरे पर चमक आती है तथा शरीर की गंदगी पसीने और पेशाब के दवारा बाहर निकल जाती है।

व्यायाम का करें नियमित अभ्यास : सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाएं, हरी घास पर नंगे पैर घूमें, दौड़ लगाएं, वाक करें, योगा, प्राणायाम करें, इन उपायों से शरीर से पसीना निकलता है, माँस पेशियों को ताकत मिलती है, शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है,अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचाव होता है, पूरे दिन भर बदन में चुस्ती फुर्ती रहती है, भूख अच्छी लगती है इसलिए नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करे।

केपीएस गिल के निधन से मैने अपना दोस्त खोया एवं देश ने महान शख्सियत : कैप्टन अमरिंदर सिंह

हरीश बठला . हिमालयन अपडेट

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब वासियों को अमन-शांति और तरक्क्की के लिये कार्य करने का आह्वान करते हुये पूर्व डी जी पी के पी एस गिल के गुणों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खुशहाल और शांतमयी पंजाब की स्थापना ही इस महान व्यक्ति को एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

एक कुशल अधिकारी के तौर पर श्री गिल के योगदान को याद करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व डीजीपी के निधन से उन्होंने निजी तौर पर अपना एक दोस्त खो दिया है।

श्री गिल जोकि 82 वर्ष की आयु में 26 मई को चल बसे, की अंतिम अरदास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने बिछुड़ी आत्मा और उन लोगों के लिये प्रार्थना की जिन्होंने पंजाब की शांति के लिये अपनी जानें कुर्बान कर दी। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि देश ने एक महान व्यक्तित्व को खो दिया है जिन्होंने पंजाब और देश में अमन शांति कायम करने के लिये अपना योगदान डाला जिस स्वरूप आंतकवाद मुक्त वातावरण में तरक्क्की एवं विकास हो सका है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि कई पीढियों में ऐसा घटित होता है जिसमें एक व्यक्ति श्री गिल की तरह अपनी छाप छोड़ कर जाता है। उन्होंने कहा कि 1962 की जंग पर अपनी पुस्तक के लिये पहली बार वह श्री गिल को मिले थे। श्री गिल उस समय तेजपुर के एसपी थे और चीनी फौज की सैक्टर में घुसपैठ को मुंह तोड़ जवाब देने के लिये पूरी तरह दृढ थे। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आगे कहा कि श्री गिल जानते थे कि जो भी खतरा हो, उससे आगे होकर कैसे सामना करना है।

पंजाब में आंतकवाद से लड़ाई में श्री गिल के योगदान को स्मरण करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि उस काले दौर के दौरान 35000 से अधिक लोग मारे गये थे और जिन लोगों ने वह काला दौर नही झेला, वह श्री गिल के योगदान को कभी भी समझ नही सकते। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि जब श्री गिल ने पंजाब पुलिस का चार्ज संभाला था तो उस समय पंजाब पुलिस का मनोबल काफी कमजोर था जो आंतकवादियों के खौफ के कारण सूर्य छिपने के बाद पुलिस थानों के गेट बंद कर लेती थी। उन्होंने कहा कि पंजाब को उस समय मज़बूत नेतृत्व की जरूरत थी जिस पर गिल खरे उतरे। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि 'मुझे वह समय याद है जब मैं गुरदासपुर से रवि इंद्र सिंह के साथ सफर करते हुये डी सी को मिलने के लिये रूका। उन्होंने दरवाजा नही खोला और हमने उससे फोन पर बात की जो फोन उसको बंद दरवाजे द्वारा सौंपा गया था। डी सी ने कहा कि वह अंधेरा होने के बाद किसी को नही मिलता। मुख्यमंत्री ने उन खौफनाक दिन एवं रातों को याद किया जब श्री गिल निर्भय होकर दिश दर्शक की तरह सक्रिय थे।'

नगर निगम चुनावों में हिमाचली भाईचारे की की अनदेखी बर्दाश्त नहीं : पवन शर्मा

लुधियाना . अजय अरोड़ा

हर वर की तरह इस वर नगर निगम के चुनाव में हिमाचली भाईचारे की अनदेखी की गई तो परिणाम अलग होंगे इस वर 75 वार्डों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। अब देखना है कि भारतीय जनता पार्टी भाजपा हिमाचल सेल के कोटे से कितनी सीटें देती है।

भाजपा हिमाचल प्रकोष्ठ के पूर्व पंजाब प्रधान पवन शर्मा ने बताया कि पूरे पंजाब में हर नगर निगम में हिमाचल के लोगों की काफी उपस्थिति है। लुधियाना के हर वार्ड में पांच से आठ हजार मतदाता है। पिछले कई बर्षों से हिमाचल के कई संगठन काम कर रहे हैं जिसमें एक हिमाचल प्रान्तीय सभा जो कि पिछले 50 वर्षों से पंजाब में कई प्रकार के कार्य कर रहा है। हर बार चुनाव के समय राजनीतिक दल बड़ी बड़ी बातें करते हैं लेकिन बाद में भूल जाते हैं। इस बार ऐसा नहीं होगा इस बार सारे हिमाचली संगठन एक मंच पर इक्कट्ठा होकर कार्य करेंगे।

पवन शर्मा ने बताया कि इस वर हर नगर निगम में अकाली भाजपा के मेयर बनेंगे इस मौके पर हिमाचल प्रान्तीय सभा के पदाधिकारियों मुकेश शर्मा, श्याम लाल डोगरा, राजिंदर चौहान, लक्सरी राम, सतीश डोगरा, कर्म चन्द, पुष्पिंदर शर्मा, रिंकू शर्मा सुरेश शर्मा, प्यारे लाल, संजीव शर्मा व सुनील कुमार आदि उपस्थित थे।

बजट प्रस्ताव की तैयारी पर कर्मचारियों अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित

जालंधर . हिमालयन अपडेट

सरकारी कार्यालय मे अधिकारियों एंव कर्मचारियों को बजट प्रस्ताव तैयार करने एंव सफलतापूर्वक लागू करने से सबंधित एक कार्यशाला प्रैपरेशन एण्ड ऐग्जिक्यूशन आफ बजट मैगसीपा के क्षेत्रीय केन्द्र में करवाई गई।

मैगसीपा के जनरल मेनैजर कम प्रसाशक एसके जोशी ने बताया कि केन्द्र सरकार प्रोसोनल एंव सिखलाई विभाग की सहायता से जालन्धर जिले के विभिन्न विभागों के मुख्य एंव अन्य अधिकारियों को बजट प्रस्ताव तैयार करने में तकनीकी एंव उनको दूर करने के तौर तरीकों, बजट को लागू करने आदि के बारे मे जानकारी दी गई। इसके अलावा बजट प्रस्ताव तैयार करते समय किसी भी तरह की वित्तीय रूकावटों को खत्म करने से सबंधित भी अधिकारियों को जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि वित्त और लेखा के संयुक्त कंटरोलर अशोक कुमार शर्मा एंव डिप्टी कंटरोलर कुलदीप सिंह बनवैत एंव अन्य लोगों द्वारा अधिकारियों को सरकारी कार्च एंव उस के साथ सबंधित उपबन्धों के बारे में बारीकी से जानकारी दी गई।

इस के इलावा बजट में विभागों के अधिकारियों की जिम्मेवारियों, विभागों के मुख्य अधिकारी के काम, मालीया एकत्रत करने के सबंधी डीसीएफए की जिम्मेवारियों, कार्च एंव उससे सबंधित मदों एंव उनकी श्रेणी के अनुसार विभाजन एंव कार्च का अनुमान के बारे मे देखा गया।

इस अवसर पर जोशी ने उम्मीद कि की विभागों के अधिकारियों को दी गई सिखलाई से उनके कार्यालयों के कामकाज मे अच्छा सुधार होगा।

सऊदी अरब से घर वापस लाने पर सुखवंत कौर ने जालन्धर ग्रामीण पुलिस का किया धन्यवाद

जालंधर . हिमालयन अपडेट

सऊदी अरब मे छह मास तक अमानवीय कष्टों ने 55 साल की सुखवंत कौर को मानसिक तौर पर इतना कमजोर कर दिया कि उसने अपने परिवार को फिर से मिलने की आशा को छोड़ दिया था। निराशा एवं हताशा के अन्धेरे से बच कर सऊदी अरब से अपने गांव अजताणी रह रहे परिवार के पास पहुंची सुखवंत कोर के लिए यह नया जीवन मिलने के बराबर था जिसको महसूस करते सुखवंत कौर अपने परिवार सहित जिला पुलिस मुखी(जालन्धर ग्रामीण) गुरप्रीत सिह भुगर के कार्यालय आई ताकि नर्क जैसे जीवन से मुकत करने के लिए पुलिस द्धारा सहानुभूति पूर्ण सहयोग के लिए वो धन्यवाद कर सकें। सुखवंत कौर ने पुलिस विभाग के अधिकारियों विशेष तौर पर जिला पुलिस मुखी का धन्यवाद किया जिन्होंने उनके परिवार के इस मामले को सहानुभूति पूर्वक लेते तत्परता से कार्यवाई की एवं उस की वापसी के रास्ते को खोला।

शहर में लाखों मुस्लमानों ने अदा की रमजान के पहले जुम्मे की नमाज

लुधियाना . हिमालयन अपडेट

पवित्र रमजान महीने के पहले जुम्मे की नमाज शहर भर में लाखों मुस्लमानों ने विभिन्न मस्जिदों में अदा की। इस मौके पर फील्डगंज चौंक स्थित ऐतिहासिक जामा मस्जिद में हजारों मुस्लमानों को संबोधित करते हुए पंजाब के शाही इमाम मौलाना हबीब उर रहमान सानी लुधियानवी ने कहा कि रोजा इंसान को बुराइयों से रोक कर अच्छाई की तरफ ले जाता है। उन्होनें बताया कि हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहीवसल्लम का फरमान है कि रोजा इंसान के लिए बुराइयों से ढाल है। जब तक वह इसे फाड़ ना डाले। शाही इमाम मौलाना हबीब ने कहा कि रोजा रखने का मतलब सिर्फ भूखे प्यासे रहना नहीं है।

अमरिंदर ने राहुल से कैबिनेट विस्तार पर चर्चा की

चंडीगढ़ . हिमालयन अपडेट

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान अपने मंत्रिमंडल के विस्तार तथा राज्य के मंत्री राणा गुरजीत सिंह के खिलाफ लगे बेनामी लेनदेन के आरोपों के बारे में चर्चा की। हालांकि कैप्टन ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है।

सूत्रों ने बताया कि अमरिंदर ने कांग्रेस उपाध्यक्ष को इस मामले में शुरू की गई न्यायिक जांच के बारे जानकारी दी।

पंजाब के सिंचाई और ऊर्जा मंत्री राणा गुरजीत सिंह पर आरोप है कि उन्होंने हाल ही में हुई नीलामी में अपनी कंपनी के कर्मचारियों के माध्यम से रेत की खानों की निविदा हासिल की।

पंजाब पुलिस ने किया आतंकी साजिश का भंडाफोड़, हथियार समेत धर दबोचे तीन आतंकी

चंडीगढ़ . हिमालयन अपडेट

पंजाब में पुलिस ने आतंकी साजिश का भंडाफोड़ करते हुए 3 आतंकवादियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इन आतंकियों के पाकिस्तानी इंटेलिजेंस एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी संगठन सिख यूथ फेडरेशन से संबंध हैं।

पुलिस के मुताबिक, इन आतंकियों के पास .32 बोर की पिस्टल, एक मैगजीन और 10 काट्रेज और 7 काट्रेज वाला .38 बोर का रिवॉल्वर भी बरामद किया है। इन सभी आतंकियों को पाकिस्तान में आतंक की ट्रेनिंग दी गई। ऐसा माना जा रहा है कि ये लोग भारत में आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की फिराक में थे लेकिन पुलिस की सक्रियता की वजह

से ये अपने मंसूबों में नाकाम हो गए।

पुलिस प्रवक्ता की मानें तो गिरफ्तार किये गए आतंकियों में गुरुदयाल सिंह और जगरूप सिंह को पिछले साल पाकिस्तान में ट्रेनिंग दी गई। जबकि तीसरा आतंकी सतविंदर सिंह भारत में लोकल सपॉर्ट के लिए था। इससे पहले पाकिस्तान ने अपनी धरती पर पनप रहे आतंकियों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते शनिवार को कार्रवाई की थी। उसने इन सभी के बैंक खाते सीज कर दिए थे।

चुनाव योग द्वारा वोटर संशोधन के लिए शुरू होगी विशेष मुहिम

जालंधर . हिमाचल अपडेट

भारती चुनाव कमिशन द्वारा योग वोटरों जिस में युवा वोटर शामिल है को वोटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए वोटर सूचियों की सरसरी संशोधन संबंधी विशेष मुहिम 1 से 31 जुलाई तक चलाई जा रही है। इस मुहिम के तहत जिला प्रसाशन के द्वारा लोगों को वोट बनाने के लिए जागरूक करने के लिए आपने बूथ लेवल अधिकारी को मिलों की मुहिम भी चलाई जा रही है। इसके इलावा युवा विद्यार्थियों को वोट रजिस्टर करने के लिए फार्म न भी दिया जायेगा ताकि योग्य युवाओं को वोटर के तौर पर रजिस्टर किया जा सके। इस विशेष संशोधन दौरान फार्म के अतिरिक्त बाकी सारे फार्म का निपटारा अगले साल की वोट सूची की प्रारंभिक प्रकाशन से पहले किया जायेगा। यहां अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर कम अतिरिक्त जिला चुनाव अधिकारी जालन्धर गिरीश दयालन ने प्रैस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि इस मुहिम के अनुसार सब से अधिक ध्यान 18 से 19 साल के युवा को वोटर बनाने पर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह फार्म वोटरों को बिल्कुल मुफ्त मुहिम करवाया जायेगा एंव फार्म भरने के लिए संबंधित बीएलओ द्वारा सहायता भी प्राप्त करवाई जाती है। उन्होने बताया कि वोटर सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए फार्म नम्बर 6 वोटर सूची में नाम इन्दराज या पहले से दर्ज इन्दराज की कटौती के लिए फार्म नम्बर 7 वोटर सूची में दर्ज दस्तावेज को सही करने के लिए फार्म न 8 को दर्ज दस्तावेज को बदलने के लिए फार्म न 8 भरे जायेंगे।

अश्वनी खड्ड के पानी की सप्लाई बंद करने के फैसले से आज लोग पी रहे हैं साफ पानी

शिमला . हिमालयन अपडेट

नगर निगम शिमला का पांच साल के कार्यकाल के खत्म होने पर रविवार को निगम महापौर संजय चौहान और उप महापौर टिकेंद्र पंवर ने एक पत्रकार वार्ता में कहा कि शिमला शहर को पर्याप्त पानी उपलब्ध न करवा पाना नगर निगम की जिम्मेवारी और विफलता है, लेकिन निगम प्रशासन द्वारा पर्याप्त पानी के बजाए पानी की स्वच्छता व गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया। इसके चलते आज शहरवासियों को साफ पीने का पानी मिल रहा है और बीते एक साल में एक भी पीलिया का मामला नहीं आया है। शहर के सबसे बड़े मुद्दे पानी पर बात करते हुए टिकेंद पंवर ने कहा कि इस समस्या पर दो मामलों का गहरा प्रभाव पड़ा है। एक पानी के निजीकरण का मुद्दा और दूसरा पीलिया, जिससे निगम प्रशासन की लड़ाई का परिणाम ग्रेटर शिमला पेयजल आपूर्ति व सीवरेज वृत्त बनना है। यही नहीं अश्वनी खड्ड के पानी की सप्लाई बंद करने के फैसले से आज लोग साफ पानी पी रहे।

मुख्यमंत्री ने रोहड़ू में रखी 10.24 करोड़ के विकासात्मक कार्यों की आधारशिलाएं

शिमला . हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने शिमला जिला के रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र में 10.24 करोड़ रुपये की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिलाएं रखीं। मुख्यमंत्री ने कुटारा तथा बछूंछ में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी विकासात्मक कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा ताकि जनता को इनका समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

वीरभद्र सिंह ने कहा कि रोहड़ू घाटी प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है तथा क्षेत्र के प्रत्येक भाग में अद्भुत नजारे हैं। उन्होंने कहा कि रोहड़ू के आंतरिक व अनछुए भागों की ओर पर्यटकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए घाटी की अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जाएगा। इस विधानसभा क्षेत्र के आंतरिक व भागों तक पहुंचने के लिए 10 नई बसों की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

इसके अतिरिक्त, हिमाचल पथ परिवहन निगम द्वारा रोहड़ू से नई दिल्ली के लिए लग्जरी वाल्वो सेवा आरम्भ की जाएगी। उन्होंने कहा कि रोहड़ू क्षेत्र के 25 गांवों की 5000 की आबादी को जलापूर्ति सुविधा प्रदान करने के लिए 4 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नई जलापूर्ति योजना भी क्रियाशील हो गई है। मुख्यमंत्री ने कुटारा में 57.59 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले पशु चिकित्सालय की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने कुटारा में लोक निर्माण विश्राम गृह की घोषणा भी की।

पैरामिलिट्री फोर्सेस में हिमाचल को दिया जाएगा कोटा : राजनाथ

हमीरपुर . हिमालयन अपडेट

त्रिदेव सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पैरामिलिट्री फोर्सेस में हिमाचल को कोटा दिया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार मुकम्मल व्यवस्था बनाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल को भरपूर पैसा दिया लेकिन राज्य की सरकार को काम करने में दिलचस्पी नहीं है।

राजनाथ ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि हिमाचल प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनेगी और यहां की जनता हमारा पूरा साथ देगी। गृह मंत्री ने कहा कि मुद्रा योजना के तहत युवाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग दी जा रही है।अगले 4-5 सालों में एक करोड़ युवाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग दी जाएगी। मोदी सरकार ने क्लास थ्री और फोर की भर्ती के लिए इंटरव्यू खत्म किए। गृह मंत्री ने कहा कि राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत पहले की तरह कमजोर नहीं रहा।,पाकिस्तान को उसकी धरती पर जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान कश्मीर में बार-बार हिंसा और उपद्रव फैलाने की कोशिश करता है लेकिन यह सिलसिला लंबे समय तक नहीं चलेगा। सेना को खुली छूट है कि पाक की तरफ से एक गोली चले तो भारत की गोलियों की गिनती नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी- कश्मीर को डिस्टर्ब करने की कोशिश नहीं होगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने होलसेल भ्रष्टाचार किया है। मोदी सरकार पर तीन साल में भ्रष्टाचार का एक भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि आज देश में कांग्रेस हंसी का पात्र बन गई है। कांग्रेस नेताओं को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता।

प्रदेश सरकार राज्य के एकसमान एवं संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध

सोलन . हिमालयन अपडेट

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य का एकसमान एवं संतुलित विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रदेश में अधोसंरचनात्मक विकास के लिए धन की कोइ कमी नहीं है। डॉ. शांडिल गत सांय सोलन विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मशीवर के बायला ग्राम में जनसमस्याएं सुनने के उपरान्त लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने कहा कि सोलन विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के सृजन के लिए समुचित मात्रा में धन उपलब्ध करवाया जा रहा है।

विधिक सेवा प्राधिकरण से मुफ्त कानूनी सहायता

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

समाज में प्रत्येक नागरिक को अदालती कार्यवाही करने के लिए खर्चा जुटाने में आर्थिक स्थिति बाधक बन जाती है, इस स्थिति से निबटने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुफ्त कानूनी सहायता देने का प्रावधान किया गया है। यह बात सिविल जज सीनियर डिवीजन व सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विवेक शर्मा ने मशोबरा खंड की ग्राम पंचायत शकराह में आयोजित कानूनी साक्षरता शिविर के अवसर पर उपस्थित ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुए कही।

Kullu Shawls
The Deen Bandhu Handloom & Handi Craft Co-Op Industrial Society Ltd.

Deals In:- Kullu Shawls, Handmade Woolen Garments, Pashmina Shawls, Other Kullu Items.
Sale 20%
Ashok Bhardwaj Mob.: 98160-32039

City Point

◆ Pastries ◆ Cakes
◆ Burger ◆ Slush ◆Biscuits
◆ Tea-Coffee & Soups.
Ph.: 0177-2811856. 1, The Mall Shimla

सुधीर शर्मा ने लोगों को समर्पित की सैंसरयुक्त भूमिगत कूड़ादान परियोजना

धर्मशाला . हिमालयन अपडेट

शहरी विकास, आवास एवं नगर मंत्री सुधीर शर्मा ने धर्मशाला में अत्याधुनिक सैंसरयुक्त भूमिगत कूड़ादान परियोजना लोगों को समर्पित की। इस प्रकार धर्मशाला पूरे विश्व में इतने बड़े पैमाने पर पूर्णतः हाईटैक भूमिगत कूड़ेदान स्थापित करने वाला प्रथम शहर बन गया है। सुधीर शर्मा ने धर्मशाला के समीप दाड़ी में यह परियोजना लोगों को समर्पित करते हुए इस बड़ी उपलब्धि के लिए धर्मशालावासियों को बधाई दी। गौरतलब है कि धर्मशाला में प्रथम चरण में स्थापित लगभग 70 हाईटैक भूमिगत कूड़ादानों का संचालन आरंभ कर दिया गया है। इस अवसर पर एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सुधीर शर्मा ने कहा कि नगर निगम के हर वार्ड में लगाए जा रहे सेंसर युक्त 'अत्याधुनिक तकनीक वाले भूमिगत कूड़ेदान' कचरा प्रबंधन को तो बेहतर करेंगे ही साथ ही पर्यावरण और स्वास्थ्य को भी संरक्षित करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि धर्मशाला प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए समूचे विश्व में विख्यात है। जनसंख्या व पर्यटकों के आगमन की बढ़ौतरी को देखते हुये आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ शहर की सुन्दरता को बनाये रखने के लिए अत्याधुनिक कूड़ेदान स्थापित किये गए हैं।

NANDANI FANCY STORE
Deals in : All Types of Cosmetic Items, Ladies Under Garments, Ladies Suites Stitching and Confectionery Items
Near City Life Public School, Dhanda (Totu) Shimla
Mob. : 9418088383, 9817102004, 9816402004, 8262902004

चाय कॉर्नर
स्पेशल मसाला चाय, घर की तरह खाना
गोपाल कृष्ण, गली नंबर 8, दुकान नंबर 51, मिडिल बाज़ार, जय महाशक्ति शिमला 17001
संपर्क करें : 94185-55773

गुरु पान पैलेस
स्पेशल पान, खजूर पान, टेडिबेयर पान, सादा पान, मीठा पान, चॉकलेट पान
दुकान नंबर 11, द मॉल शिमला
संपर्क करें : 98162-08404

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **अनिल कुमार जम्वाल** द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं **सिग्मा प्रिंटर**, ब्लॉक नं. 6, शॉप नं. 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला-171009 से मुद्रित।
सम्पादक : **अनिल कुमार जम्वाल**। हिमालयन अपडेट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 93188-92188, 70186-31199, email: himalayanupdate@gmail.com